सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of MSME

Brief Industrial Profile of Pratapgarh District

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

-:Carried out by:-

MSME-Development Institute

(Ministry of MSME, Govt. of India)
22- Godown Industrial Estate, Jaipur - 302006
Phone 0141-2212098, 2213099, Fax: 0141-2210553
e-mail: dcdi-jaipur.dcmsme.gov.in Web site- www.msmedijaipur.gov.in

प्रतापगढ़

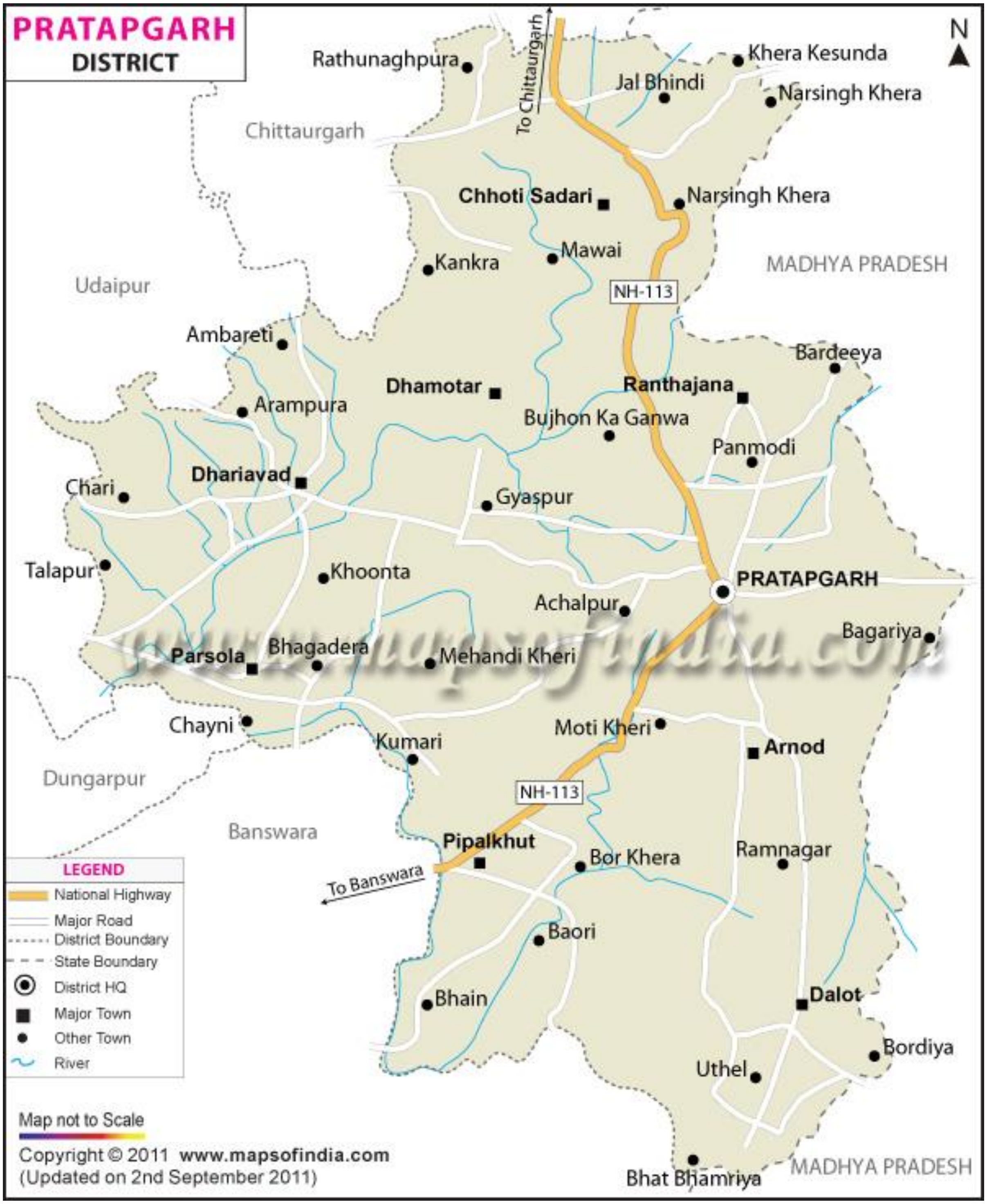

PRATAPGARH
DISTRICT
Rathunaghpura
To Chittaurgarh
Khera Kesunda
Jal Bhindi
Narsingh Khera
Chittaurgarh
Chhoti Sadari
Narsingh Khera
Mawai
Kankra
MADHYA PRADESH
NH-113
Udaipur
Ambareti
Bardeeya
Dhamotar
Ranthajana
Arampura
Bujhon Ka Ganwa
Panmodi
Dhariavad
Chari
Gyaspur
Talapur
Khoonta
PRATAPGARH
Achalpur
Bagariya
Parsola
Bhagadera
Mehandi Kheri
Chayni
Moti Kheri
Kumari
Arnod
Dungarpur
NH-113
Banswara
Pipalkhut
Bor Khera
Ramnagar
To Banswara
Baori
Bhain
Dalot
Bordiya
Uthel
Bhat Bhamriya
MADHYA PRADESH
LEGEND
National Highway
Major Road
District Boundary
State Boundary
District HQ
Major Town
Other Town
River
Map not to Scale
Copyright © 2011 www.mapsofindia.com
(Updated on 2nd September 2011)
www.mapsofindia.com

विषय – सूची

क्रं.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	जिले की विशेषता	1
1.1	स्थिति एवं भौगोलिक क्षेत्र	
1.2	भू आकृति	1
1.3	खनिज उपलब्धता	2
1.4	जंगल	2
1.5	प्रशासनिक स्थिति	2
2.	जिला एक नज़र में	3
2.1	प्रतापगढ़ जिले का मौजूदा औद्योगिक क्षेत्र	5
3.	प्रतापगढ़ का औद्योगिक परिदृश्य	6
3.1	उद्योग एक दृष्टि में	6
3.2	वर्षवार पंजीकृत इकाईयों की प्रवृत्ति(सूक्ष्म एवं लघु)	
3.3	सूक्ष्म व लघु उद्यमों और दस्तकारों का मौजूदा विवरण	6
3.4	बड़े व सार्वजनिक उपक्रम	7
3.5	मुख्य निर्यातक वस्तुएं	7
3.6	विकास प्रवृत्ति	7
3.7	सहायक उद्योग	7
3.8	सेवा क्षेत्र के उद्यम	7
3.8.2	संभावित सेवा क्षेत्र के उद्यम	7
3.9	संभावित नये सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम	7
3.	मौजूदा क्लस्टर	8
4.1.1	निर्माण क्षेत्र के क्लस्टर	8
4.1.2	सेवा क्षेत्र के क्लस्टर	
4.2	पहचान किये गये क्लस्टरों का विवरण	8
4.2.1	बांस व लन्टाना फर्नीचर शिल्पकार क्लस्टर	
4.2.2	थेवा कला क्लस्टर	8
4 5	औद्योगिक संघों की बैठक के दौरान उठाये गये मुद्दे	9
5 6	सूक्ष्म, लघु, मध्यम स्थापनार्थ कदम	10
8 7.	सम्पर्क कार्यालय व अधिकारी का नाम, पता एवं फोन नम्बर	12
7.		11 -12-13

....

प्रतापगढ़ जिले की संक्षिप्त संभाव्यता रिपोर्ट

1. जिले की सामान्य विशेषता

प्रतापगढ़ मेवाड़ राजवंश के राजाओं का आधिपत्य रहा था जो देवलिया राजा के नाम से सुविख्यात रहा है जिसकी राजधानी प्रतापगढ़ से पश्चिम की ओर 10 कि.मी. दूर देवलिया कस्बा रहा है। देवगढ़ के तत्कालीन शासक महारावत प्रताप सिंह ने अपने नाम से प्रतापगढ़ नगर की स्थापना की । स्वतंत्रता के पश्चात भी 1952 तक प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय रहा ।

26 जनवरी, 2008 को पुनः नया जिला बना जो राजस्थान का 33वाँ जिला है।

2. स्थिति एवं भौगोलिक क्षेत्र

यह जिला 23 4' उत्तरी अक्षांश व 74 94' पूर्व देशान्तर के मध्य स्थित है। यहां की जलवायु समशीतोष्ण है औसत वर्षा 756 मि.मि. है तथा तापमान 6^{o} से. सर्दियों में एवं 45^{o}से. गर्मियों में रहता है। क्षेत्रफल 411759 है जिसके उत्तर में ग्वालियर, दक्षिण में रतलाम, पूर्व में उदयपुर, बाँसवाड़ा, मंदसौर व नीमच हैं।

1.1 भू–आकृति/स्थलाकृति :–

काँठल के नाम से लोकप्रिय, प्राकृतिक सौन्दर्य से आच्छादित बागड़, मेवाड़ एवं मालवा की जीवन शैली का यह संगम नया जिला है, जो राजस्थान के मानचित्र में दक्षिणी भाग में अवस्थित है।

1.2 खनिज संसाधन

प्रमुख खनिज

क्रं.सं.	खनिज का नाम	क्षेत्र (है.में)	उत्पादन (मी.ट.न)	रोजगार (संख्या)
1	केलसाइट	5.000	.	–
2	डोलोमाइट	–	8,001	–
3	रेड आखरे	707.227	2,60,5.00	40
4	सोप स्टोन	1360. 182	2,17,415	867
5	क्वार्टसफेल्सफार	32.000	–	–

1.3 गौण खनिज

क्रं.सं.	खनिज का नाम	क्षेत्र (है.में)	उत्पादन (मी.टन)	रोजगार (संख्या)
1	मार्बल	28.000	29110	105
2	मेसेनरी स्टोन	16.750	4048	28
3	चूना पत्थर	10.270	8990	16
4	क्वार्टजिट	1.000	–	–
5	फाइलाइट शिष्ट	54.000	–	–
6	कंकर बजरी	–	–	–
7	गिट्टी / मुरम	–	–	–

प्रमुख खनिज धरियाबाद क्षे में उपलब्ध है जबकि गौण खनिज में कंकर–बजरी–मुरम–छोटी सादड़ी–प्रतापगढ़–पीपलखूंट व अरनोद क्षेत्र में उपलब्ध है।

1.4 वन संसाधन

1,31,712 हेक्टेयर में वन आच्छादित है जो जिले के 32 प्रतिशत क्षेत्रफल में फैले है। इस जिले का सीता माता वन्य जीव अभयारण्य राजस्थान का वनस्पति एवं जन्तु जगत की दृष्टि से सबसे धनाढ़्य जैव विविधता का क्षेत्र है जो उडनगिलहरि हेतु प्रसिद्ध है।

1.5 प्रशासनिक ढाँचा

प्रतापगढ़ जिले का प्रतापगढ़ कस्बा मुख्यालय है। प्रशासनिक दृष्टि से प्रतापगढ़ जिला 5 उपखण्ड, 5 तहसील, 1 उप तहसील, 5 पंचायत समिति, 2 नगर पालिका, 970 कुल आबाद गाँव, 38 गैर आबाद गांव, 1008 राजस्व ग्रामों में विभाजित है।

2. जिला एक दृष्टि में

क्रं.सं.	विवरण	वर्ष	इकाई	सांख्यिकीय आंकड़ा
1	**(अ) भौगोलिक परिदृश्य**			
	I) अक्षांश	–	–	23°40' से 25°50' उ0 अक्षांश
	II) देशान्तर	–	–	23°40' से 25°50' पू0 देशान्तर
	III) भौगोलिक क्षेत्रफल		हे0	411736 हेक्टेयर
	(ब) प्रशासनिक इकाईयां			
	I) उप खण्ड		सं.	5
	II) तहसील		सं	5
	III) उप तहसील		सं	1
	पटवार मंडल		सं	145
	पंचायत समिति		सं	5
	नगर पालिका		सं	2
	ग्राम पंचायत		सं	304
	राजस्व ग्राम		सं	1008
	विधान सभा क्षेत्र		सं	5
2.	**जनसंख्या**			
	अ) लिंगानुसार			
	I) पुरूष	2011	सं.	437950
	II) स्त्री	2011	सं.	430281
	कुल			868231
	ब)घनत्व	2011	सं.	211
	स) लिंगानुपात(पुरूष : स्त्री)	2011	सं.	1,000 : 982
3	**कृषि**			
	अ) भू उपयोग			
	I) कुल क्षेत्रफल	2011	हे.	411736
	II) वनाच्छादित	2011	हे.	131712
	III) कृषि अयोग्य भूमि	2011	हे.	182608
	कृषि योग्य बंजर भूमि	2011	हे.	33429
4	**वन**	2011	हेक्टेयर	131712
5	**पशुधन एवं मुर्गीपालन**			
	(अ) गौवंश			
	(1) गायें	2007	सं.	402456
	(2) भैंसे	2007	सं.	159441
6	**अन्य पशुधन**			
	(1) बकरी	2007	सं.	253370

	(2) सुअर	2007	सं.	1124
	(3) भेड	2007	सं.	25555
	(4) मुर्गी	2007	सं.	112302
	(5) ऊंट	2007	सं.	3141
6	**रेलवे**			
	रेल लाइन की लम्बाई	2010-11	सं.	0
7	सड़क	2010-11	कि.मी.	1879
	राष्ट्रीय राजमार्ग	2011-12	कि.मी.	101
	राज्य राजमार्ग	2011-12	कि.मी.	29.5
	जिला हाईवे	2011-12	कि.मी.	158
	अन्य	2011-12	कि.मी.	64.5
	कच्चा रोड़	2011-12	कि.मी.	1508
8	**संचार**			
	टेलीफोन कनेक्शन(बीएसएनएल) ग्रामीण व शहरी	2010-11	सं.	11960
	डाकघर	2010-11	सं.	9
	टेलीफोन केन्द्र	2010-11	सं.	11
	टेलीफोन घनत्व	2010-11	सं. /1000 व्यक्ति	13.77
	टेलीफोन घनत्व	2010-11	सं./प्र.व. कि.	2.90
	पी.सी.ओ.(ग्रामीण)	-	-	-
	पी.सी.ओ. (एसटीडी)	-	-	-
	मोबाइल	-	-	-
9	**सार्वजनिक स्वास्थ्य**			
	एलोपैथिक अस्पताल	-	-	-
	एलोपैथिक अस्पताल में शैय्याएं	-	-	-
	आयुर्वेदिक,होम्योपैथिक व यूनानी अस्पताल	2010-11	सं.	53
	सामु.स्वास्थ्य केन्द्र एवं अस्पताल	2010-11	सं.	07
	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	2010-11	सं.	53
	डिस्पेंशरी	2010-11	सं.	02
	उप स्वास्थ्य केन्द्र	2010-11	सं.	153
	निजी अस्पताल	2010-11	सं.	0
10	**बैंकिंग सुविधा**			
	वाणिज्यिक बैंक	2012	सं.	32

	ग्रामीण बैंक	2012	सं.	12
	सहकारी बैंक	2012	सं.	64
	प्राथमिक भूमि विकास बैंक	2012	सं.	02
11	प्राथमिक विद्यालय	2011-12	सं.	929
	उच्च प्रा.विद्यालय	2011-12	सं.	325
	मा. व उ.मा.वि.	2011-12	सं.	205
	महाविद्यालय	2011-12	सं.	3
	व्यावसायिक महाविद्यालय	2011-12	सं.	4
	औ.प्र.संस्थान	2011-12	सं.	6

2.1 प्रतापगढ़ जिले का मौजूदा औद्योगिक क्षेत्र

रीको द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्र जिला स्तर पर बगवास (प्रतापगढ़) में स्थित है जिसमें 46 भूखण्ड नियोजित किये हैं व 7 भूखण्डों पर अतिक्रमण है। शेष भूखण्ड आवंटित है परन्तु उद्योग स्थापित नहीं है।

प्रतापगढ़ में रीको का कार्यालय नहीं है।

रीको द्वारा मोखमपुर रोड़ पर 150 बीघा भूमि आरक्षित करवाकर नया औद्योगिक क्षेत्र बनाना प्रस्तावित है।

क्रं.सं.	औद्योगिक क्षेत्र का नाम	भूमि अवाप्ति (एकड़ में)	भूमि विकसित (एकड़ में)	प्रचलित दर (प्रति वर्ग मीटर)	प्लाटों की संख्या	आवंटित प्लाटों की संख्या	खाली प्लाट	उत्पादन में इकाइयों की संख्या
1	बगवास	46.16	12.05	80	46	39	7	39

स्रोतः रीको, बांसवाड़ा

3. प्रतापगढ़ जिले का औद्योगिक परिदृश्य

3.1 उद्योग एक दृष्टि में

1 मार्च, 2012 की स्थिति

क्रं. सं.	मद	इकाई	संख्या
1	पंजीकृत औद्योगिक इकाइयां	सं.	601
2	कुल औद्योगिक इकाइयां	सं	1885
3	पंजीकृत मध्यम व बडे उद्योग	सं	–
4	लघु स्तरीय अनुमानित औसत उद्योगों में लगे हुए रोजगार का अनुमानित औसत	सं	3
5	मध्यम व बडे उद्योगों में रोजगार	सं	–
6	औद्योगिक क्षेत्र की संख्या	सं	1
7	लघु स्तरीय उद्योग का टर्नओवर	लाख में	3875.25
8	मध्यम व बडे उद्योग का टर्नओवर	–	–

स्रोतः जिउके, प्रतापगढ़

3.2 वर्षवार पंजीकृत इकाइयों की प्रवृति (सूक्ष्म व लघु)

2008–09	151	496	508.97
2009–10	150	510	567.95
2010–11	150	440	320.02
2011–12	150	419	353.34

स्रोतः जिउके, प्रतापगढ़

3.3 सूक्ष्म, लघु उद्यमों और दस्तकारों का मौजूदा विवरण

2010–11

एन.आई. सी. कोड सं.	उद्योग का प्रकार	संख्या	रोजगार	निवेश (लाख में)
20	कृषि आधारित उद्योग	50	159	157.25
23	टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज हथकरघा के अलावा	121	352	311.03
27	वुडन आधारित	47	144	94
29	चर्म आधारित	03	9	6.32
32	खनिज आधारित उद्योग	23	100	124.26
33	लोह एवं अलोह उद्योग	58	230	200.31
97	सर्विस एवं रिपेयरिंग	81	245	249.94
01	विविध उद्योग एवं थेवा कला आधारित उद्योग	68	207	252.63

स्रोतः जिउके, प्रतापगढ़

3.4 बडे व सार्वजनिक उपक्रम

जिले में एक भी बडा व मध्यम उद्यम और सार्वजनिक उपक्रम नहीं है।

3.5 मुख्य निर्यातक वस्तुएं

कोई भी बड़ा व मध्यम उद्यम नहीं है इसलिए निर्यात भी नहीं होता है।

3.6 विकास प्रवृति – नहीं

3.7 सहायक उद्योग – नहीं

3.8 सेवा क्षेत्र के उद्यम

3.8.1 लांड्री, प्रिंटिंग, यातायात और डिब्बाबंद खाना उद्यम स्थापित है। सीता माता वन्य जीव अभयारण्य है जो कि प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है । यहां उडन गिलहरी पाई जाती है, इस कारण पर्यटन उद्योग विकसित है।

3.8.2 संभावित सेवा क्षेत्र के उद्यम

1. वाहन रिपेयरिंग एवं सर्विसिंग
2. प्रिंटिंग प्रेस
3. बेकरी
4. डिब्बा बंद खाना
5. कम्प्यूटर आधारित उद्यम/कम्प्यूटर सेंटर
6. स्क्रीन प्रिंटिंग

3.9 संभावित निर्माण आधारित नये सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

1. आटा, सूजी, मैदा उद्योग
2. खाद्य तेल उद्योग
3. दाल मील उद्योग
4. पोहा मुरमुरे उद्योग
5. खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
6. मसाला उद्योग
7. बेकरी उद्योग
8. बोतल बंद पानी
9. ठंडे पेय पदार्थ उद्योग
10. डेयरी उद्योग
11. मुखवास उद्योग
12. सोयाबीन आटा
13. सोयाबीन मंगोड़ी उद्योग
14. पशु आहार
15. रेडीमेड गारमेन्टस
16. दरी व निवार

17. लकड़ी के फर्नीचर
18. बांस टोकरी
19. हाथ करघा
20. पतल दोना
21. कत्था व गोंद
22. लेदर बैग
23. बुक बाइडिंग
24. साडी फाल्स
25. कपड़े व नहाने का साबुन

4. मौजूदा कलस्टर

4.1 मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर एवं क्लस्टर

1. लण्टाना लकड़ी के फर्नीचर
2. थेवा कला

4.1.1 सेवा क्षेत्र के क्लस्टर – नहीं

4.2 पहचान किये गये क्लस्टर का विवरण

4.2.1 बांस व लन्टाना फर्नीचर शिल्पकार क्लस्टर

1	इस क्लस्टर का प्रधान उत्पाद	टोकरी, कुर्सी, ट्री गार्ड, टेबल, झूले, पेन स्टैण्ड
2	संघ का नाम	लक्ष्मी गृह उद्योग सहकारी समिति लि. (महिला)
3	कार्यरत इकाइयों की संख्या	178
4	क्लस्टर का टर्नओवर	रूपये 42,72,000
5	क्लस्टर के निर्यात का मूल्य	शून्य
6	क्लस्टर में रोजगार	500
7	यंत्र व मशीनरी में औसत निवेश	89,000
8	मुख्य मुद्दे	वित्त की समस्या, बाजार की समस्या, अशिक्षा, कुशल श्रमिकों की कमी
9	निर्यात बाजार की पहुंच	नहीं
10	परीक्षण की जरूरत	सामान्यतः इकाईयों द्वारा उत्पादों में कोई परीक्षण नहीं किया जाता है।
11	थ्रस्ट एरिया	उत्पाद डिजाईन, अच्छी गुणवत्ता के कच्चे माल की उपलब्धता

4.2.2 थेवा कला क्लस्टर

1	क्लस्टर का मुख्य उत्पाद	तस्तरी, ज्वेलरी बॉक्स, डिब्बी, नेकलेस, झुमके
2	क्लस्टर के संघ का नाम	राजस्थान थेवा कला संस्थान, प्रतापगढ़
3	क्लस्टर में कार्यरत इकाइयों की सं.	25
4	क्लस्टर का टर्नओवर	1.5 करोड़
5	क्लस्टर के निर्यात का मूल्य	50 लाख (अप्रत्यक्ष)
6	क्लस्टर में रोजगार	100
7	यंत्र व मशीनरी में निवेश(प्रति इकाई)	4,000
8	मुख्य मुद्दे	सोने व चांदी के भाव बढ़ गये हैं, सादा रंगीन सीसा कम मिल रहा है, कच्चे माल का भाव अधिक है। परिवार के पुरूष सदस्यों के अलावा इस कला को और किसी को भी नहीं सिखाते हैं इसलिए इस क्लस्टर का विकास नहीं हो पा रहा है।
9	निर्यात बाजार पहुंच	यूरोप, अमरीका सहित पूरे विश्व में अप्रत्यक्ष रूप से निर्यात

5. औद्योगिक संघों की बैठक के दौरान उठाये गये मुद्दे

1. सरकार द्वारा विपणन में सहायता नहीं मिलती है।
2. पर्याप्त वित्तीय सहायता नहीं मिलती है।
3. कच्चा माल ऊँचे दामों पर मिलता है।

६. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम स्थापनार्थ कदम

सं.	सहायता का प्रकार	नाम व पता
1	अस्थायी व स्थायी उद्यमी ज्ञापन (ई.एम.–1 व ई.एम.–II)	जिला उद्योग केन्द्र, प्रतापगढ़
2	परियोजना प्रोफाइल की पहचान, तकनीकी–आर्थिक व प्रबंधकीय सहायता सेवाएं, बाजार सर्वेक्षण, आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट	एमएसएमई–विकास संस्थान, 22 गोदाम औद्योगिक सम्पदा जयपुर–302006
3	उद्योग स्थापनार्थ (भूमि भवन व रोड़)	रिको कार्यालय, चित्तौड़गढ़
4	वित्तीय सहायता	राजस्थान वित्त निगम, चित्तौड़गढ़
5	कच्चे माल की सरकारी आपूर्ति	राजस्थान वित्त निगम, चित्तौड़गढ़
6	हायर/खरीद आधार पर यंत्र व मशीनरी	राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, नेहरू पैलेस, टोंक रोड़, जयपुर
7	ऊर्जा/बिजली	राजस्थान राज्य विद्युत वितरण निगम, प्रतापगढ़
8	तकनीक की जानकारी	एमएसएमई–विकास संस्थान, 22 गोदाम औद्योगिक सम्पदा जयपुर–302006
9	गुणवत्ता व मानक	भारतीय मानक ब्यूरो, जयपुर
10	निर्यात सहायता	संयुक्त महा निदेशक, विदेश व्यापार विभाग, उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर

९. सम्पर्क कार्यालय व अधिकारी का नाम, पता व फोन नं.

कार्यालय	**सम्पर्क अधिकारी**	**फोन नं.**
एमएसएमई–विकास संस्थान, 22 गोदाम औद्योगिक सम्पदा जयपुर–302006	श्री एम. आर. सोनवाल, सहायक निदेशक (आ.अ.)	094602–86785
जिला उद्योग केन्द्र, प्रतापगढ़,	श्री हितेश जोशी, महाप्रबंधक,	01478–220074 094134–54808
रीको (राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम), बांसवाड़ा	श्री आर. एस. यादव	094133–05940
राजस्थान वित्त निगम, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चित्तौड़गढ़	श्री आर. एल. झिंगर, उप प्रबंधक	01472–256546 09414097557
अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक आफ बड़ौदा, प्रतापगढ़	श्री आर. एल. ठाकुर	
राजस्थान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, चित्तौड़गढ़	श्री मदन लाल गांधी, सहायक निदेशक (खादी)	099296–20995
रोजगार अधिकारी, चित्तौड़गढ़	श्री आलोक शुक्ला जिला रोजगार अधिकारी	092144–64753
बांस व लंटाना क्लस्टर से संबंधित सक्रिय	श्रीमती लता शर्मा	094133–015161

प्रतापगढ़

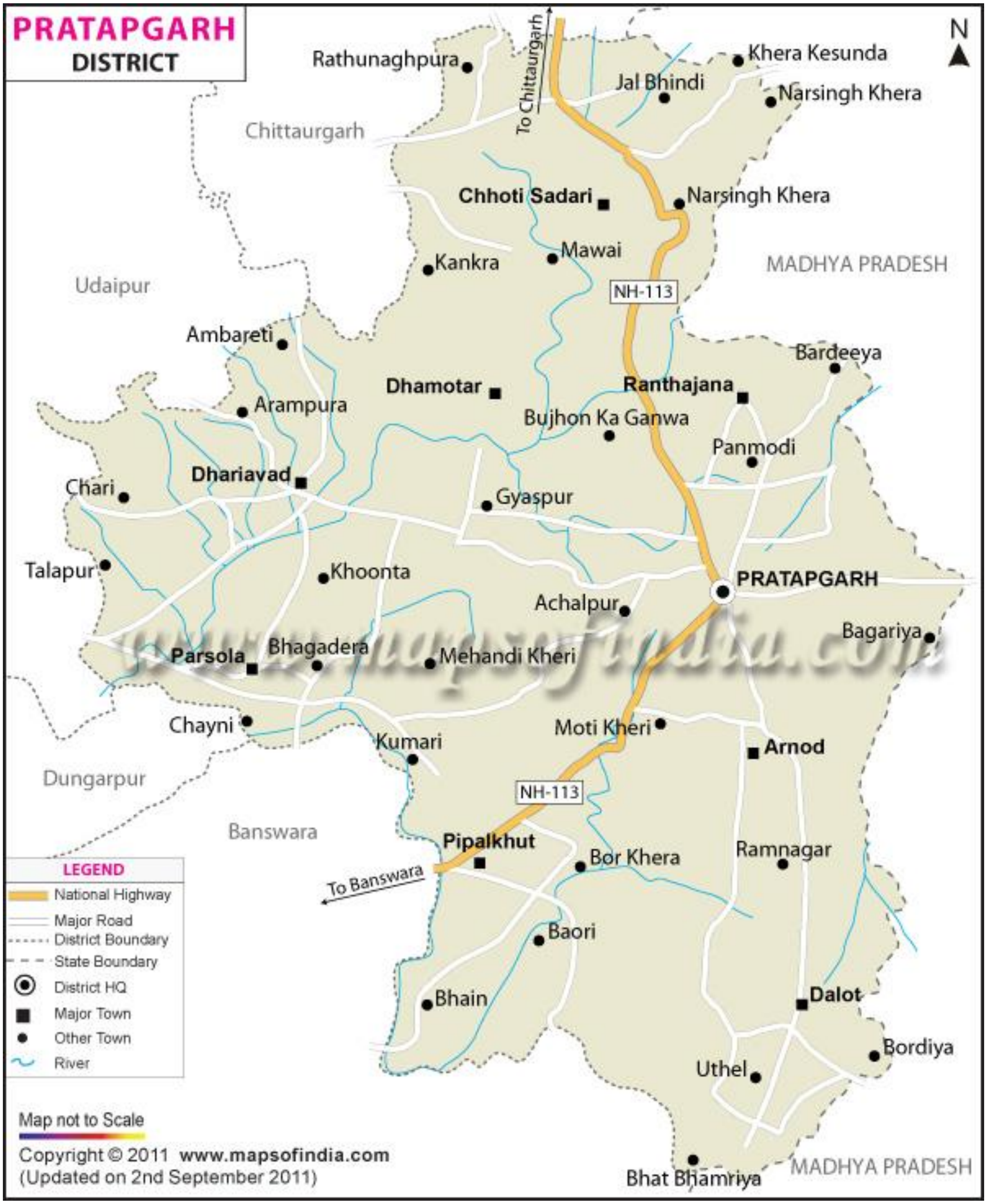
PRATAPGARH
DISTRICT
Rathunaghpura
To Chittaurgarh
Khera Kesunda
Jal Bhindi
Narsingh Khera
Chittaurgarh
Chhoti Sadari
Narsingh Khera
Kankra
Mawai
NH-113
MADHYA PRADESH
Udaipur
Ambareti
Bardeeya
Dhamotar
Ranthajana
Arampura
Bujhon Ka Ganwa
Panmodi
Dhariavad
Chari
Gyaspur
Talapur
Khoonta
PRATAPGARH
Achalpur
Bagariya
Parsola
Bhagadera
Mehandi Kheri
Chayni
Moti Kheri
Kumari
Arnod
Dungarpur
NH-113
Banswara
Pipalkhut
Bor Khera
Ramnagar
To Banswara
Baori
Bhain
Dalot
Bordiya
Uthel
Bhat Bhamriya
MADHYA PRADESH
LEGEND
National Highway
Major Road
District Boundary
State Boundary
District HQ
Major Town
Other Town
River
Map not to Scale
Copyright © 2011 www.mapsofindia.com
(Updated on 2nd September 2011)

विषय – सूची

क्रं.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
9.	जिले की विशेषता	1
1.6	स्थिति एवं भौगोलिक क्षेत्र	
1.7	भू आकृति	1
1.8	खनिज उपलब्धता	2
1.9	जंगल	2
1.10	प्रशासनिक स्थिति	2
10.	जिला एक नज़र में	3
2.1	प्रतापगढ़ जिले का मौजूदा औद्योगिक क्षेत्र	5
3.	प्रतापगढ़ का औद्योगिक परिदृश्य	6
3.9	उद्योग एक दृष्टि में	6
3.10	वर्षवार पंजीकृत इकाईयों की प्रवृत्ति(सूक्ष्म एवं लघु)	
3.11	सूक्ष्म व लघु उद्यमों और दस्तकारों का मौजूदा विवरण	6
3.12	बड़े व सार्वजनिक उपक्रम	7
3.13	मुख्य निर्यातक वस्तुएं	7
3.14	विकास प्रवृत्ति	7
3.15	सहायक उद्योग	7
3.16	सेवा क्षेत्र के उद्यम	7
3.9.2	संभावित सेवा क्षेत्र के उद्यम	7
3.10	संभावित नये सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम	7
11.	मौजूदा क्लस्टर	8
4.2.3	निर्माण क्षेत्र के क्लस्टर	8
4.2.4	सेवा क्षेत्र के क्लस्टर	
4.3	पहचान किये गये क्लस्टरों का विवरण	8
4.3.1	बांस व लन्टाना फर्नीचर शिल्पकार क्लस्टर	
4.3.2	थेवा कला क्लस्टर	8
12.	औद्योगिक संघों की बैठक के दौरान उठाये गये मुद्दे	9
13.	वर्ष 2012–13 के दौरान हो सकने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
14.	वर्ष 2012–13 की एमएसएमई योजना की कार्य योजना	10
15.	सूक्ष्म, लघु, मध्यम स्थापनार्थ कदम	11
16.	सम्पर्क कार्यालय व अधिकारी का नाम, पता एवं फोन नम्बर	12

....